



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, ७ सितम्बर, १९९१/१६ भाद्रपद, १९१३

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिलाधीश, जिला सिरमौर, नाहन

कारण बताओ नोटिस

शिमला, २७ अगस्त, १९९१

संख्या पी०एम०-२-मिस-४८/६४.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, १९६८ की धारा ५४ (१) के अन्तर्गत, जिसे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, १९७१ के नियम ७७ के साथ पढ़ा जाये।

जैसा कि, पंचायत अंकेक्षक, विकास खण्ड पच्छाद द्वारा ग्राम पंचायत नैनाटिक्कर की अभिलेखों के अंकेक्षण पत्र अन्वयि १-४-८९ से ३१-३-९० में उठाई गई आपत्तियों एवं कनिष्ठ अभियन्ता, विकास खण्ड पच्छाद की मूल्यांकन

रिपोर्ट दिनांक 24-7-91 से पाया गया कि श्री नित्या नन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत नैनाटिकर, विकास खण्ड पच्छाद निम्न अनियमितताओं तथा गबन सम्बन्धी आरोपों में सलिप्त पाये गये हैं:—

1. यह है कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1988-89 में मु० 15,000/- रु० आई० आर० डी० दुकान निर्माण हेतु अनुदान विकास खण्ड अधिकारी, पच्छाद से प्राप्त किये, इसी प्रकार मु० 3525/- रु० का सीमेंट और पंचायत निधि से मु० 8000/- रु० प्रधान ने प्राप्त किये। अंकेक्षण नोट 1-4-89 से 31-3-90 के अनुसार मु० 23,000/- रुपये पेशगी पंचायत से प्राप्त की। कनिष्ठ अभियन्ता, पच्छाद की मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार मु० 16759.60 पैसे दर्शाये गये हैं। जांच रिपोर्ट परियोजना अधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग, जिला सिरमौर की दिनांक 2-7-91 अनुसार निर्माण कार्य अपूर्ण पाया गया। इस प्रकार उक्त प्रधान द्वारा मु० 23000/- रुपये पेशगी राशि का हिसाब न देना और स्कीम पूर्ण न करके राशि दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
2. यह है, कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1989-90 में मु० 30000/- रुपये महिला वर्कशॉप भवन निर्माण हेतु विकास खण्ड अधिकारी, पच्छाद से नकद तथा मु० 5875/- रुपये के सीमेंट सामान प्राप्त किये। अंकेक्षण नोट 1989-90 अनुसार मु० 30000/- रुपये पेशगी पंचायत से प्राप्त किये। मूल्यांकन रिपोर्ट मु० 15666/- रु० का पाया गया। जांच रिपोर्ट परियोजना अधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग, जिला सिरमौर की दिनांक 2-7-91 अनुसार कार्य निर्माण केवल चिनाई दरवाजे तक पाया गया। इस प्रकार उक्त प्रधान मु० 30000/- (तीस हजार) की पेशगी राशि का हिसाब न देकर और स्कीम पूर्ण न करके राशि का दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
3. यह है, कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1989-90 में मु० 8,000/- रुपये दुग्ध एकत्र केंद्र निर्माण भदयाना हेतु विकास खण्ड अधिकारी, पच्छाद से नकद तथा मु० 2 रुपये के सीमेंट सामान प्राप्त किये। अंकेक्षण नोट वर्ष 1989-90 अनुसार मु० 5,000/- पेशगी पंचायत से प्राप्त किये मूल्यांकन रिपोर्ट 6,130.38 पैसे के पाये गये। जांच रिपोर्ट 2-7-91 अनुसार कार्य केवल चिनाई तथा बन्द पाया गया। इस प्रकार उक्त प्रधान द्वारा मु० 5000/- पेशगी राशि का हिसाब न देकर, स्कीम पूर्ण न करके राशि दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
4. यह है, कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1989-90 में मु० 7,000/- सिंचाई कुहल देव कोठी के निर्माण हेतु विकास खण्ड अधिकारी, पच्छाद से नकद प्राप्त किये। अंकेक्षण नोट वर्ष 1989-90 अनुसार ग्राम पंचायत से मु० 7000/- पेशगी पंचायत प्राप्त किये। मूल्यांकन रिपोर्ट मु० 4,500/- का पाया गया। इस प्रकार उक्त प्रधान द्वारा 7000/- रुपये का पेशगी हिसाब पंचायत को न देकर तथा कम मूल्यांकन से अधिक व्यय करने के दोषी पाये गये।
5. यह है, कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1989-90 में मु० 12,000/- सिंचाई टैंक देव कोठी निर्माण के लिए विकास खण्ड अधिकारी, पच्छाद से नकद तथा मु० 2350/- रुपये के सीमेंट, सामान प्राप्त किये अंकेक्षण नोट 1989-90 अनुसार मु० 10,000/- रु० की पेशगी पंचायत से प्राप्त किये। उक्त प्रधान द्वारा मु० 10,000/- रु० की पेशगी हिसाब पंचायत को न देकर निजी लाभ उठाने और पद का दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
6. यह है, कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1989-90 मु० 4,500/- रुपये मम्पर्क सड़क टूट व निर्माण के लिए विकास खण्ड, पच्छाद से नकद प्राप्त किये अंकेक्षण नोट 1989-90 के अनुसार मु० 4,500/- पंचायत से पेशगी प्राप्त किये। उक्त प्रधान पेशगी राशि हिसाब न देने के दोषी पाये गये।
7. यह है कि उक्त प्रधान ने मु० 15,000 हजार/- रुपये विकास खण्ड पच्छाद से एल. डी. पी. योजना से तथा मु० 4,000/- रुपये जवाहर रोजगार योजना से प्राथमिक पाठशाला भवन शामलाटी निर्माण के लिए प्राप्त किये। अंकेक्षण नोट वर्ष 1989-90 अनुसार मु० 16,000/- पंचायत से पेशगी उक्त प्रधान ने प्राप्त किये। मूल्यांकन रिपोर्ट मु० 13,282.35 पैसे पाया गया। परियोजना अधिकारी के जांच रिपोर्ट अनुसार निर्माण

कार्य चिनाई दरवाजों तक पाया गया। इस प्रकार उक्त प्रधान मु० 16000/- पेशगी राशि का हिमाचल देना तथा कार्य अपूर्ण रखने के दोषी पाये गये।

8. यह है, कि उक्त प्रधान ने मु० 11,505/- रुपये जवाहर रोजगार योजना में प्राईमरी स्कूल भवन गडध्याना के लिये प्राप्त किये। मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार केवल 5,032.89 पैसे का कार्य किया जांच अधिकारी की रिपोर्ट अनुसार केवल 3 फुट तक चिनाई पाई गई इस प्रकार उक्त प्रधान ने प्राप्त अनुदान राशि से कम कार्य करने तथा अपूर्ण कार्य करके मु० 11,505/- रुपये की राशि दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
9. यह है, कि उक्त प्रधान ने मु० 22,825/- रुपये 80 प्रतिशत जवाहर रोजगार योजना की राशि स्कूल भवन निर्माण लजोगड़ी के प्राप्त किये। मूल्यांकन रिपोर्ट मु० 7,963.54 पैसे का पाया गया। जांच रिपोर्ट अनुसार कार्य अपूर्ण और बन्द है। इस प्रकार उक्त प्रधान ने मूल्यांकन में कम कार्य और स्कीम अपूर्ण रख कर मु० 22,825/- रुपये की राशि दुरुपयोग करने के दोषी पाये गये।
10. यह है, कि उक्त प्रधान ने मु० 13,200/- रुपये वाक्कत किराया पंचायत स्टाल नैनाटिकर का टैलीफोन विभाग से प्राप्त राशि केंश बुक में इन्द्राज न करके राशि गबन के दोषी पाये गये।
11. यह है, कि उक्त प्रधान ने मु० 25,000/- रुपये जवाहर रोजगार योजना की स्कीमों के लिये परिया आदि खरीद हेतु 5-1-90 को पेशगी प्राप्त किये। पेशगी राशि का हिसाब पंचायत को न देकर राशि एवं पद के दुरुपयोग के दोषी पाये गये।
12. क्योंकि इन उक्त तथ्यों के दृष्टिगत श्री नित्या नन्द प्रधान ग्राम पंचायत नैनाटिकर, विकास खण्ड पच्छाद ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जिन कारण उनका प्रधान जैम पद पर बने रहता जनहित में नहीं है।

अतः मैं, अजय त्यागी, उपायुक्त, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित है, श्री नित्या नन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत नैनाटिकर, विकास खण्ड पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश को आदेश देता हूँ कि, क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के अन्तर्गत प्रधान पद से निलम्बित किया जाये। उनका उत्तर 13-9-91 तक इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहते हैं।

अजय त्यागी,  
उपायुक्त,  
जिला सिरमौर, नाहन (हि०३०)।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

अधिमूचना

ऊना, 27 अगस्त, 1991

संख्या 6476-6505. --- पिछले सभी आदेशों का अधिकरण करते हुए तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी, मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आर० के० जैन० जिला दण्डाधिकारी, ऊना, हिमाचल प्रदेश एल० पी० जी० सिलेन्डर जिमका

(14.2 तथा 19 किलोग्राम नैट) अधिकतम विक्रय मूल्य में कमल गैस एजेन्सी, ऊना का विभिन्न स्थानों पर निम्न प्रकार से निर्धारित करता है:—

क्रमांक	स्थान का नाम	एल. पी. जी. सिलिण्डर का भाव	द्वारा वितरण प्रति सिलिण्डर मजदूरी	मजदूरी सहित प्रति सिलिण्डर भाव
1.	रक्कड़ क्लौनी/पुलिस लाईन इलडा	69.65	5.00	74.65
2.	मलाहंत खड्ड पार, वैहली मुहल्ला, नीलाघाट मुहल्ला	69.65	4.50	74.15
3.	नगरपालिका एरिया ऊना मिवाय मलाहंत खड्ड पार वैहली मुहल्ला, नीलाघाट मुहल्ला	69.65	4.00	73.65
4.	नॉन इमेस्टिक 14.2 नगरपालिका एरिया ऊना	145.66	4.00	149.66
	19 किलोग्राम—यथोपरी—	194.98	4.00	198.98

1. गैस डीलर उपभोक्ताओं से उपरोक्त निर्धारित विक्रय मूल्य से ज्यादा मूल्य प्राप्त नहीं करेगा।

2. गैस डीलर एल. पी. जी. सिलिण्डरों की प्राप्ति तथा वितरण एवं दूसरे सम्बन्धित अभिलेख ठीक ढंग से बनाएगा जोकि प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को निरीक्षण के समय मांगने पर प्रस्तुत किया जाएगा।

3. गैस डीलर प्रत्येक उपभोक्ता को कैन पैमो देगा जिसमें उपभोक्ता का पूरा नाम व आवास का पता दर्शाया गया हो और उसका दूसरी प्रति (डुप्लीकेट) निरीक्षण हेतु अपने पास रखेगा।

4. गैस डीलर 14.2 किलोग्राम का सिलिण्डर किसी भी व्यापारिक प्रतिष्ठान को विक्रय नहीं करेगा तथा रेडकास, अस्पताल, शिक्षण संस्थाएं, सरकारी विभाग प्रयोगशालाएं तथा धार्मिक संस्थानों को 14.2 किलोग्राम का सिलिण्डर प्रयोग करने की छूट रहेगी।

5. गैस डीलर अपने जोहम और गोशम पर स्पष्ट रूप से एल. पी. जी. सिलिण्डरों को दैनिक स्टॉक सूची व विक्रय मूल्य दर्शाएगा।

6. डीलर एल. पी. जी. की प्राप्ति एवं वितरण की मासिक सूचना प्रपत्र पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक, ऊना को नियमित रूप से प्रेषित करेगा।

7. गैस एजेन्सी डीलर किसी भी कन्ज्यूमर को दूसरी गैस में प्रयोग की जाने वाली वस्तुएं जैसे हाट प्लेट इत्यादि नया कुनैक्शन जारी करते समय अपनी दुकान से क्रय करने हेतु उपभोक्ता को बाध्य नहीं करेगा। गैस का नया कुनैक्शन जारी करते समय मान्य राशन कार्डों पर जो उसके कार्यक्षेत्र में आते हैं को प्राथमिकता के आधार पर उपभोक्ताओं को कुनैक्शन जारी करेगा।

8. गैस डीलर उपभोक्ताओं को दूरभाष पर या फिर कार्डेटर पर जैसी भी स्थिति हो एल. पी. जी. सिलिण्डर की बुकिंग का क्रमांक सूचित करेगा।

उपरोक्त अधिसूचना इस जिन्ना में तुरन्त लागू होगी।

आर० के० जैन०,  
जिला दण्डाधिकारी;  
ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)।

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 3 सितम्बर, 1991

संख्या पी0सी0एच0-एच0 ए0 (4)-38/76-9.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या 36-62/72-पंच-मण्डी, दिनांक 7 अगस्त, 1972 को आंशिक रूप में संशोधित करके, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उन अधिकारियों के अधीन जो उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 (वर्ष 1970 का 19वां अधिनियम) की धारा 4 तथा 5 के अन्तर्गत प्राप्त हैं, जिला मण्डी के विकास खण्ड करमोग के निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्र का विभाजन करके उसमें लिए निम्न प्रकार से ग्राम सभा क्षेत्रों की स्थापना महर्ष आदेशित करते हैं:—

क्र० सं०	वर्तमान ग्राम सभा का नाम	कोष्ठ सं० 2 में वर्णित ग्राम सभा के गांवों के नाम	कोष्ठ सं० 2 में वर्णित ग्राम सभा से अपवर्जित होने वाले ग्रामों के नाम	अपवर्जित ग्रामों से बनी नई ग्राम सभा का नाम तथा उसका मुख्यावास	कोष्ठ सं० 5 में बनी नई ग्राम सभा में सम्मिलित होने वाले ग्रामों के नाम	विवरण
1.	चनयाणा	1. शंगरोही 2. कोट कपडयास 3. चनयाणा 4. मावठा 5. साहज 6. सांवीधार 7. कोट 8. कलंगार 9. खण्डकान 10. बडयोग 11. शेगली-नाल 12. डी0पी0-एफ0 अरुयास	1. शंगरोही 2. कोट कपडयास 3. चनयाणा 4. मावठा 5. साहज 6. सांवीधार 7. कोट 8. कलंगार 9. खण्डकान 10. बडयोग 11. शेगली-नाल 12. डी0पी0-एफ0 अरुयास	1. साहज 2. सांवीधार (जस्सल)	कोष्ठ सं० 4 से क्र० सं० 1 से 5 तक वर्णित गांव। कोष्ठ सं० 4 में क्रम संख्या 6 से 12 तक वर्णित ग्राम।	ग्राम सभा चनयाणा का अस्तित्व समाप्त करके उनके लिए कोष्ठ संख्या 5 में निर्दिष्ट नामों से कोष्ठ संख्या 6 में वर्णित ग्रामों के आधार पर दो नई ग्राम सभाओं का गठन किया जाता है।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

